



सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार



श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री



श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

आपके आशीर्वाद और विश्वास के लिए

कोटिशः **आभार**

राजस्थान की नवनिर्वाचित सरकार का

शपथ ग्रहण

समारोह

दिनांक : 15 दिसम्बर, 2023

समय : प्रातः 11 बजे स्थान : रामनिवास बाग, जयपुर

आप सभी सादर आमंत्रित हैं

आपणो अग्रणी राजस्थान

LIVE कार्यक्रम



DIPRRajasthan



DIPRRajasthan



DIPRRajasthanofficial

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

O Those Happy Surprises!

They had organised a gala affair for us, planned it well with imagination and great enthusiasm. Friends and family from afar and near had been given ample notice.

Merry Christmas

Christmas has a magical way of bringing out the best in us

दिल्ली की अदालत ने गहलोत को दिया भारी झटका

राज एवैन्सु कोर्ट ने निचली अदालत के सम्मन आदेश के खिलाफ दायर गहलोत की याचिका खारिज की

रेणु मिश्र-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 13 दिसम्बर। एक व्यक्ति जो निरन्तर यह कहा करता था कि कुर्सी उसे कभी नहीं छोड़ेगी। वह विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी को हराने के बाद ना केवल राजस्थान की सत्ता से बाहर है बल्कि कानूनी मोर्चे पर भी परेशानियां झेल रहा है।

राजस्थान में अभी नई सरकार का गठन भी नहीं हुआ है, लेकिन गहलोत की परेशानियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं। पूर्व मुख्यमंत्री को यह एक बड़ा झटका है। दिल्ली के रूज एवैन्सु कोर्ट ने गहलोत के खिलाफ अवमानना केस में सुनवाई शुरू करने की इजाजत दे दी है।

केन्द्रीय मंत्री एवं गहलोत के गृह जिले जोधपुर में ही उनके पुत्र वैभव गहलोत को हराने वाले गजेन्द्र सिंह शेखावत ने अशोक गहलोत के खिलाफ अवमानना का केस दायर किया था। यह केस अशोक गहलोत द्वारा शेखावत एवं उनके परिवार के सदस्यों पर संजीवनी कोऑपरेटिव क्रेडिट घोटाळे में शामिल होने के बार-बार लगाए गए आरोपों के बाद दायर किया गया।

इस केस का निर्णय यदि गहलोत के खिलाफ जाता है तो ना केवल उन्हें

निचली अदालत ने 6 जुलाई को दिए गए अपने आदेश में गहलोत को शेखावत की मानहानि के लिए प्रथम दृष्टया दोषी पाया था।

अब गहलोत को अदालत में उपस्थित होकर बयान देना पड़ेगा और वकीलों के सवालों की बोझ भी झेलनी होगी।

गहलोत अगर यह केस हार जाते हैं तो उनकी गिरफ्तारी हो सकती है और विधायकी भी छिन सकती है।

नई सरकार के गठन से पहले ही लगता है गहलोत के बुरे दिन शुरू हो गए हैं।

गहलोत पर केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने संजीवनी क्रेडिट घोटाळे में अपमानजनक बयानबाजी के कारण मानहानि का मुकदमा किया था।

गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा, बल्कि वह अपनी विधानसभा की सदस्यता से भी हाथ धो सकते हैं।

कोर्ट के एडीशनल सेशन जज एम.के. नागपाल ने आज एक विस्तृत ऑर्डर जारी किया। गहलोत द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिका को खारिज कर दिया गया। माननीय ए.सी.एम.एम. कोर्ट द्वारा पारित आदेश के बाद जारी किए गए समन के विरुद्ध पुनरीक्षण याचिका दायर की गई थी। केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र

सिंह शेखावत द्वारा दायर याचिका पर गहलोत को आरोपी मानते हुए समन जारी किए गए थे।

जब गहलोत ने शेखावत और उनके परिवार के सदस्यों पर संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव घोटाळे में शामिल होने के आरोप लगाते हुए अपमानजनक बयान दिए तब शेखावत ने अशोक गहलोत के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की थी। पुनरीक्षण याचिका दायर की थी। पुनरीक्षण (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोकसभा की बैठक स्थगित

-जाल खंभाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 13 दिसम्बर। लोकसभा की सुरक्षा में सनसनीखेज गंभीर चूक हुई, शून्य काल के दौरान दर्शक दीर्घा से लोकसभा हॉल में दो आग-तुक कूद गए, परन्तु वे किसी को कोई हानि नहीं पहुंचा सके क्योंकि वहां बैठे हुए सांसदों ने उनको पकड़ के उनको पिटाई कर दी और उन व्यक्तियों को सुरक्षा कर्मियों के हवाले कर दिया। उन

घुसपैठ के बाद स्पीकर ओम बिड़ला ने बैठक गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी थी, पर विपक्ष के दबाव में उन्हें शाम चार बजे बैठक बुलानी पड़ी।

व्यक्तियों के पास मैसूर भाजपा के सांसद प्रताप सिन्हा (47) के द्वारा हस्ताक्षरित विज्ञापित पास था।

अध्यक्ष ने सदन तुरंत स्थगित कर दिया परन्तु विपक्ष ने दोपहर के मध्याह्न के बाद अध्यक्ष पर दबाव डाला कि, सर्वप्रथम इस घटना पर चर्चा कराई जाए शाम 4 बजे अध्यक्ष ने सभी सदस्यों को घटना से संबंधित चिंताओं को सुना और उसके बाद उन्होंने कहा कि जब तक सुरक्षा में चूक की जांच नहीं हो जाती है उस समय तक किसी को भी बयान दिए तब शेखावत ने अशोक गहलोत के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की थी। पुनरीक्षण याचिका दायर की थी। पुनरीक्षण (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मैसूर के इंजीनियर ने जुटाए थे पास

-जाल खंभाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 13 दिसम्बर। सांसद भवन में घुसपैठ करने वाला मैसूर निवासी इंजीनियर मनोरंजन डी. था। वह नये लोकसभा भवन को देखने के लिए

मनोरंजन डी. नामक यह व्यक्ति तीन माह से सांसद प्रताप सिन्हा के ऑफिस जा रहा था और उनसे नई संसद देखने के लिए पास जारी करने को कह रहा था।

पिछले तीन माह से लगातार मैसूर से भाजपा के सांसद प्रताप सिन्हा से मिल रहा था ताकि दर्शक दीर्घा का प्रवेश पत्र प्राप्त कर सके। सुरक्षा के हवाले से खबर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिवसेना सांसद संजय राउत पर राजद्रोह का केस दर्ज

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 13 दिसम्बर। शिव सेना (यू.बी.टी.) नेता संजय राउत ने अपने को एक बार फिर दस्त्रावेज के मामले में संकट में फंसा लिया है अब उन पर राजद्रोह का आरोप तथा उनकी पार्टी के मुख पत्र "सामना" में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ आलोचनात्मक व विवादास्पद लेख प्रकाशित करने के मामले में अन्य आरोप लगाए गए हैं।

राउत इस साल प्रवर्तन निदेशालय के द्वारा पात्रा चाल पुनर्विकास परियोजना के मामले में गिरफ्तार किए जाने के बाद 100 दिनों जेल में रह कर आए हैं। विशेष कोर्ट, मुम्बई के जमानती आदेश के बाद 1 अगस्त को इसी वर्ष जेल से छूटे हैं। वर्तमान तथाकथित

शिव सेना के उद्भव ठाकरे गुट के संजय राउत पर "सामना" में प्र.मंत्री मोदी विरोधी लेख लिखने के कारण यह केस दर्ज करवाया गया है।

महंगाई विरोधी उक्त लेख के खिलाफ भाजपा के यवतमाल जिला समन्वयक नितिन भूतड़ा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

ज्ञातव्य है कि, ई.डी. से जुड़े एक मामले में राउत इस वर्ष पहले ही 100 दिन की जेल काट चुके हैं और एक अगस्त को ही जमानत पर रिहा हुए थे।

मामले में, राउत के खिलाफ यवतमाल के भाजपा जिला समन्वयक नितिन भूतड़ा के द्वारा एफ.आई.आर. दर्ज कराकर शिकायत करने के बाद मामला दर्ज किया गया है। उनके खिलाफ धारा 12(ए) राजद्रोह से संबंधित, 153ए

(विभिन्न समूहों के बीच धर्म, नस्ल, जन्म का स्थान, निवास अथवा भाषा को लेकर वैमनस्य बढ़ाने तथा 505(2) के तहत विभिन्न वर्गों के मध्य नफरत व दुर्भावना को बढ़ाने से संबंधित मामला (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कुछ ही मिनटों में दो बार संसद की सुरक्षा में सेंध

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 13 दिसम्बर। संसद हमले को 22वीं बरसी पर सुरक्षा में हुई अभूतपूर्व चूक केन्द्रीय गृह मंत्रालय की कुशलता और कार्य शैली पर संदेह पैदा कर रही है। विजिटर्स गैलरी में से एक युवा सदन

भाजपा सांसद प्रताप सिन्हा के कार्यकाल से पास जारी किया गया था। अधिकारी ने बताया कि "दोनों युवक संसद की सिक्योरिटी यूनिट की हिरासत में हैं और उनसे पूछताछ की जा रही है। इन्हें स्थानीय पुलिस के सुपुर्द किया जाएगा।" स्पीकर ओम बिड़ला के एक

- पहले तो दो युवक दर्शक दीर्घा से लोकसभा में कूदे और स्मोक कैनिसिस्टर्स से बद्बूदार धुआं छोड़ा।
- दूसरी घटना में संसद के बाहर एक महिला व एक आदमी ने नारेबाजी की उनके पास से दो कैम मिले जिनसे लाल-पीला धुआं निकल रहा था।
- चारों लोगों को हिरासत में ले लिया गया है और पूछताछ की जा रही है।
- लोकसभा में कूदे दोनों युवक मैसूर के भाजपा सांसद प्रताप सिन्हा द्वारा जारी पास से संसद आए थे। उन्होंने भारत माता की जय, तानाशाही नहीं लेगी, जय भीम, जय भारत के नारे भी लगाए थे।

के चैम्बर में कूदा। उसने डैस्क पर चढ़ना और नारे लगाना शुरू कर दिया। दूसरा विजिटर्स गैलरी से लापक कर आया और उसने पीले से रंग का स्प्रे किया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक युवक की पहचान सागर शर्मा के रूप में हुई है। वह एक सांसद द्वारा जारी किए गए पास से सदन में दाखिल हुआ था। दूसरे घुसपैठिए का नाम मनोरंजन डी. उसे

संक्षिप्त बयान के साथ ही लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे पुनः शुरू हुई। बिड़ला ने आक्रोशित सांसदों से कहा कि "हम प्रकरण की जांच कर रहे हैं और दिल्ली पुलिस से जांच-पड़ताल के लिए कहा गया है। पुलिस ने यहां बताया कि "एक अन्य घटना में एक युवक व एक युवती को भी लोकसभा की सुरक्षा में हुई चूक के बाद गिरफ्तार किया (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

TRUE VALUE

MARUTI SUZUKI

भरोसे की सच्ची मिसाल!
TRUE VALUE के साथ जुड़ चुके है 50 लाख हैप्पी करटमर्स.

CELEBRATING 50 LAKH HAPPY FAMILIES



अपनी कार बेचने के लिए स्कैन करें

376 क्वालिटी चेक पॉइंट्स

वेरिफाइड कार हिस्ट्री

1 साल तक की वारंटी और 3 फ्री सर्विस*

पूछताछ के लिए कॉल करें 1800 102 1800 | या जाएँ यहाँ www.marutisuzukitruevalue.com

छवियों का इस्तेमाल केवल उदाहरण मात्र है

JAIPUR: PADMAWATI COLONY - II, OPPOSITE METRO PILLAR NO 25, MANSAROVER METRO STATION JAIPUR, VIPUL MOTORS PVT. LTD.: 9829351470, 9509157505, 9351044999 | E-101, ROAD NO. 8, VKIA AREA, JAIPUR, PREM MOTORS: 8058794068, 8058791634, 8058794091 | E-197(A), RIICO INDUSTRIAL AREA, MANSAROVER, JAIPUR, KP AUTOMOTIVE: 9116190342, 9116190346 | B 1 GOVIND MARG, RAJAPARK OPP. PINK SQUARE MALL, KP AUTOMOTIVE: 9549650533, 9116190344 | A-209, RAJENDRA PRASAD NAGAR, 200FT BYPASS, AJMER ROAD, JAIPUR, SATNAM MOTOCORP: 7413900007, 7413900009, 7821823626 | 13 JHOTWARA INDUSTRIAL AREA, NEAR JHOTWARA POLICE STATION, JAIPUR, KTL: 7412068475, 9209056789 | SECTOR-35, PRATAP NAGER, TONK ROAD, JAIPUR, SANGA AUTONATION PVT LTD.: 9057809180, 7734909000, 7734901000.



Free Shipping Day

oliday shopping online has one major barrier that shopping in your local store doesn't, and that's the high cost of shipping. You can easily double the cost of your gift items (and thereby, halve the amount of gift-buying you can do) just by getting hit left and right with shipping costs. That's where Free Shipping Day comes in, where companies around the world give you the opportunity to do your holiday shopping without being hit for shipping fees left and right, and letting your holiday shopping bucks go further than ever.

#EPISTEMIC ACTIONS

Why Scientists Are Interested In Shaking Presents

There are few things more delightful than seeing a child's eyes light up as they pick up a present and wonder what might be inside



As you shake the present with your name on it, know that people watching can tell what you're trying to find out: number of objects or the shape of what's inside.

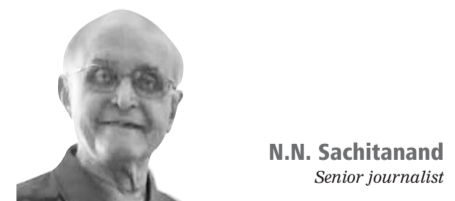
"There are few things more delightful than seeing a child's eyes light up as they pick up a present and wonder what might be inside," says author Chaz Firestone, an assistant professor of Psychological and Brain Sciences at Johns Hopkins University, who investigates how vision and thought interact.

"What our work shows is that your mind is able to track the information they are seeking. Just as they might be able to tell what's inside the box by shaking it around, you can tell what they are trying to figure out, when they shake it."

In a series of experiments, the researchers asked hundreds of people to watch others shake boxes. "It took just seconds for most of them to know whether the box shaker was trying to learn either how many things were in the box or the shape of things in the box. Although the boxes weren't presents, and the contents weren't smartwatches, Legos, or Red Ryder BB guns, and if they were, the results would have been the same," the researchers say.

"When we present this work, we always talk about Christmas presents," Firestone says. "It's the perfect real-life example of our experiment." In the future, the team would like to pursue whether people can observe someone's epistemic intent versus their pragmatic intent, what are they up to, when they dip their foot in the pool. They're also interested in knowing when these observational skills emerge in human development and if it's possible to build computational models to detail exactly how observed physical actions reveal epistemic intent.

Winterscape



As Old Sol's warriors beat a retreat Winter's demons overrun the sky Changing the mantle's sulphur glow Into a sickly hue of leaden grey.

And soon launch a flurry of winds, Setting the leaves shivering fearfully, Beasts of prey that stalk the streets Sans moan or whine or revealing rustle.

No armour of clothing invincible is As through chink and hole, gap and rent, Their icy tendrils reach the victim Covering in his insulated sanctum.

Often they are the scythe of Death, Relentlessly attacking the destitute When their pathetic little shield Of a bonfire turns to ashes.

But all is not grim in the season As hot delicacies make a bow And Cupid strikes down inhibitions Of couples cuddling for warmth.



Those Happy Surprises!



Last week, after a very long time, three generations of the family sat down to dine together. In addition, we had a couple of visiting cousins whom we had not seen for long. At first, the good meal kept the conversation at low ebb but as we began to be satiated, the conversation began to flow. Thank God, the mobiles had been put away! To begin with, it was catching up. How are the boys? How does an empty nest feel? Physical demands and the need to consult a doctor more frequently was another major topic for us, the older people. Finally, as we became relaxed, the reminiscences began. The happy memories of childhood soon followed with major events in life where all of us had moments to enjoy together.

Joya, who was visiting from USA, began to tell us her plans to visit Goa, Kolkata and Darjeeling. She was being asked to keep her visit to her elderly aunt in Kolkata a surprise, that too by her son, who lives in the same flat with his mother. Joya commented that she was not sure if this was a good idea. The aunt has a fixed schedule and often has to go out to visit the doctor and temples. She does some social work too. A surprise visit may play havoc with her schedule. Naturally, the discussion now veered to surprises. On polling the group, there were both sorts of views. While some were happy to be surprised, others were disinterested. They had reservations. Others wanted to qualify the surprise. Bad news was not acceptable while they were game to be surprised with a good gesture even though, it may inconvenience them. For that matter, bad news is always a surprise!

Of course, the inevitable occurred and the question about the best surprises in life had to be talked about. Jayant and Nalini spoke about their 'Silver Wedding Anniversary'. It just happened that their anniversary followed our 50th Wedding Anniversary. They had organised a gala affair for us. They had planned it well with imagination and great enthusiasm. Friends and family from afar and near had been given ample notice. The numbers of acceptance were much higher than anticipated. It was a huge well-orchestrated event at the City Palace in Jaipur. What made it more interesting was that it was

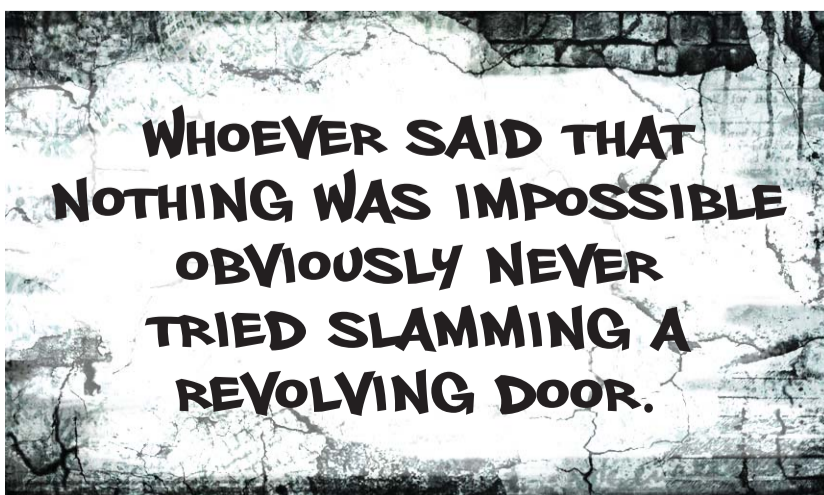
being held in an inner courtyard for the first time.

So, when the grandchildren asked about Jayant and Nalini's Silver wedding anniversary celebrations, we realised that no plans had been made for it. Fortunately, Surabhi and Sukriti were enthusiastic and said that they could do a gala event in our front lawns. With the venue issue solved, we gave them a go ahead with a carte blank. Within two days, all was ready. The menu was selected and the caterers were booked.



Flask and fan from Mandar Bird Paradise.

THE WALL



Happy Surprises!

The day arrived. Happy anniversary wishes poured in by social media, text messages and mobile calls. Some intimate friends called in bearing gifts. They had been warned not to talk about the evening's programme. The first problem that cropped up was that Jayant and Nalini were showing no signs of going to work, that morning. Surabhi began signaling anxiously that they should be sent to work forthwith as the caterers and the decorators were due any minute. If the work force was seen, the whole surprise would be spoilt. Somehow, we managed to get them to work and started setting up the place at high speed for the evening event. By five o'clock, all was ready. We had even prepared placards with *Happy Anniversary* signs. When Jayant and Nalini entered the compound in the evening, the surprise was total!



FF

When the grandchildren asked about Jayant and Nalini's Silver wedding anniversary celebrations, we realised that no plans had been made for it. Fortunately, Surabhi and Sukriti were enthusiastic and said that they could do a gala event in our front lawns. With the venue issue solved, we gave them a go ahead with a carte blank. Within two days, all was ready. The menu was selected and the caterers were booked.

#FAMILY



The first problem that cropped up was that Jayant and Nalini were showing no signs of going to work, that morning. Surabhi began signaling anxiously that they should be sent to work forthwith as the caterers and decorators were due, any minute. If the work force was seen, the whole surprise would be spoilt. Somehow, we managed to get them to work and started setting up the place at high speed for the evening event. By five o'clock, all was ready. We had even prepared placards with *Happy Anniversary* signs. When Jayant and Nalini entered the compound in the evening, the surprise was total!



Flask and fan from Mandar Bird Paradise.

Even today, when they speak about it, there is a happy glow on their faces!

Nirmal and I had no special plans for our 40th wedding anniversary. Since anniversary day is a national holiday, we had planned to have a family meal at the new restaurant on Jacob Road in the Civil Lines. Their *Keema Baiti* was famous. The time had arrived. We piled into the car. When we crossed the railway bridge on Ajmer road, we had to turn left for the restaurant. Instead, Jayant turned the car to the right. I looked at him questioningly. He casually mentioned that

he had to pick up an item from the Jaipur Club. He stopped the car at the decorated gate to the side lawn and it dawned upon us that a surprise celebration had been arranged. All friends and family were there. Even people who had spoken on the phone in the morning were smiling away at the complete surprise that they had achieved. The happy memories and the surprise have lasted all these years.

Surprises do not have to be big events.

A week ago, as we sat down for

our afternoon meal, the call bell rang. The courier had a small parcel for us. We were not expecting any deliveries. The parcel was from Singapore. Rahul, who lives in Singapore, had not mentioned anything either. After we finished our meal, we slit open the card board box. Out popped a beautiful small sized flask with a bird motif. The other item was a Japanese paper fan. We were surprised with the items. The sealed envelope in the recesses of the package, explained the gifts. It was a very graceful letter from the communications manager of the Mandar Bird Paradise in Singapore. We had spent a whole day there when we were in Singapore, a few months ago. I had even written a piece for Arbit in *Rashtradoot*. It seems that Rahul had sent that clipping to them saying how good a publicity it was, for them. In appreciation, they had sent us these gifts. It was such a pleasant surprise.

Surprises are hard work. It has to be meticulously planned in a sly manner. The important part is that it is only good, be it an event or a gift, when you are fully aware of likes and dislikes of the person, you are surprising. Surprises are meant to show someone that you care. You have

FF

Timing of surprises is very important. A surprise party may disrupt an already planned event. Appearing at someone's home unannounced can be very double-edged. At those times, it is wise to consult another member of the family to see that all is hunky-dory. Surprise can backfire because of lack of information. Bringing a surprise dish that contains nuts can be quite distressing for people who are allergic.

the desire to make them happy. Just to make sure, it is wise to have a backup plan. It also is an indication about how well you know them. The gift has to be chosen not only because it is good but also, how well it will be appreciated. For example, I have a cousin who loves fountain pens. The other day, I presented a *Mont Blanc* pen to him. Although he had many, he was overjoyed to add one more to his collection. When one is not sure of what gift is to be given to a person, who seems to have everything, it is always safe to go for a simple thing like a perfume or a knick-knack. Here, the item, though good is not as important as the effort.

Timing of surprises is very important. A surprise party may disrupt an already planned event. Appearing at someone's home unannounced can be very double-

edged. At those times, it is wise to consult another member of the family to see that all is hunky-dory. Surprise can backfire because of lack of information. Bringing a surprise dish that contains nuts can be quite distressing for people who are allergic. I know a person, who is a vegetarian and allergic to garlic. He would certainly feel quite uncomfortable in a *'Kebab and Curry'* place, even if there are vegetarian options. The smells in such places can put one off.

Another simple thing that has to be kept in mind is how well the person will be able to make use of the surprise gift. For example, it is all very good to arrange a fully planned holiday. Remember, the adventure holiday you are giving may be well beyond the abilities of an older person. A much preferred one would be a more sedentary place with a good view. Good food never fails to give joy. But then, I have a friend who likes simple food. No elaborate fried meals for him. Not even spicy food or sweets. They are wasted on him.

Unpleasant surprises are mostly inadvertent or destined. As a surgeon, I am always prepared for surprises during an operation. All the same when a blood vessel bursts in an unexpected location, the surprise is taxing. The ability to deal with surprises with a calm demeanour and equanimity is probably the only solution.

Whether you like it or not, you will get surprises. Just be prepared. Think of all the effort that goes behind a proper surprise.

rajeshsharma1049@gmail.com



#INSIGHT

Merry Christmas

Christmas has a magical way of bringing out the best in us

Merry Christmas 2023 Traditions and History: It's that wonderful time of the year again as the festivity of the most awaited festivals around the globe has begun! Everywhere you go, you'll find Christmas trees and twinkling lights, turning red and green into our favourite colours.



The air is filled with the aroma of delicious Christmas cakes and the excitement of unwrapping festive gifts. Christmas has a magical way of bringing out the best in us, and it's all for the right reasons. As we gear up for the Merry Christmas 2023 holiday season, preparations are in full swing. People, all over the world, come together on December 25th to celebrate Christmas, commemorating the birth of Jesus Christ. However, not many are aware of the reason behind choosing December 25th for this joyous occasion. Let's delve into the details to uncover the story behind this jolly festival.

What is the History and origin of Christmas?

Christmas, rooted in Christian tradition, celebrates the birth of Jesus Christ. Originating in the 4th century, the date was set on December 25 to coincide with pagan festivals. Over time, diverse cultures incorporated customs like gift-giving and feasts. In the Middle Ages, caroling gained popularity, spreading joy. The Puritans frowned upon festivities, but by the Victorian era, Christmas trees and cards became widespread. In the 20th century, commercialism surged, shaping the modern celebration. Today, Christmas unites people globally transcending religious boundaries, as families gather, exchange gifts, and partake in festive cheer, symbolizing love, kindness, and joy.

What is the significance of Christmas?

Christmas holds immense significance as a joyous celebration worldwide, symbolizing love, peace, and togetherness. It commemorates the birth of Jesus Christ, promoting goodwill and kindness. Families unite, exchanging gifts and relishing festive feasts. Decorations illuminate homes, fostering a warm, festive spirit. Beyond religious connotations, Christmas fosters a universal sense of generosity, encouraging acts of charity and compassion. The holiday season promotes reflection, gratitude, and bonding, emphasizing the importance of spreading happiness.

It's a time when people set aside differences, embracing shared humanity. In essence, Christmas transcends religious boundaries, fostering a global sense of unity, joy, and shared goodwill.



Why is Christmas Celebrated On December 25th?

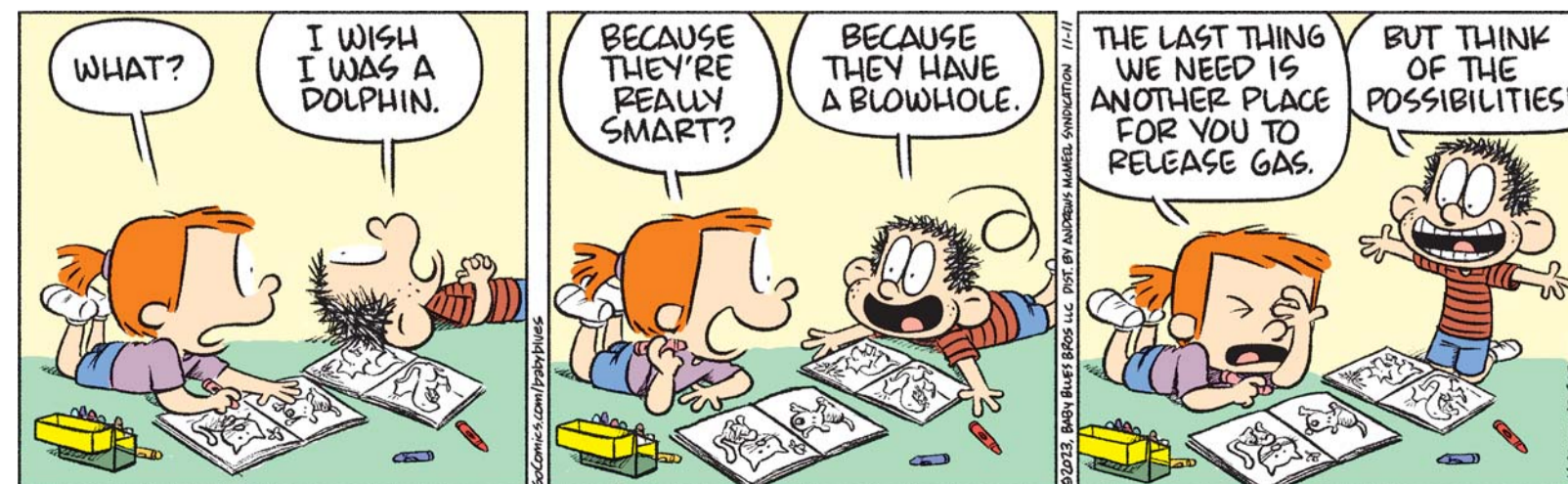


December 25th is celebrated as Christmas to commemorate the birth of Jesus Christ. While the exact date of Jesus' birth is not specified in the Bible, December 25th was chosen by early Christians to coincide with pagan winter solstice festivals. This strategic selection aimed to integrate Christianity into existing celebrations, making it more acceptable. Over time, December 25th became widely accepted as Jesus' birthday, leading to the global celebration of Christmas. The festive day emphasizes joy, love, and goodwill, with traditions like gift-giving and festive decorations, fostering a sense of unity and happiness among people worldwide.

How is Christmas Celebrated in India?

- Celebrating Christmas in India can be a unique and diverse experience due to the country's rich cultural tapestry. Here are some ways in which you can celebrate Christmas in India:
 - In India, Christmas is a relatively small festival compared to other religious celebrations. This is because the percentage of Christians in the country is between 2-3%, which is much lower than the number of followers of other religions. Yet, it is celebrated every year with great pomp and enthusiasm across the country.
 - Mumbai has one of the biggest Christian communities in India and most them follow the Roman Catholic faith. A significant number of Christians in Mumbai trace their origins back to Goa. Additionally, the north-eastern states of Manipur, Meghalaya, Nagaland, and Mizoram have substantial Christian populations.
 - Midnight Mass is a significant part of Christmas celebrations in India. Many churches hold special services on Christmas Eve, starting around midnight. Attendees participate in prayers, carol singing, and the festive mass. Gift-giving is a common Christmas tradition. Exchange gifts with family and friends as a way of expressing love and joy.
 - Instead of using traditional Christmas Trees, some folks opt for decorating a banana or mango tree or any tree they can find! At times, people even use mango leaves to adorn their homes during the festive season.
 - A delightful tradition known as *'consuada'* involves families making an array of sweets before Christmas and sharing them with friends and neighbours. Many Christian households also feature a nativity scene adorned with clay figures, adding a touch of tradition to their festive celebrations.

BABY BLUES



ZITS



By Rick Kirkman & Jerry Scott

By Jerry Scott & Jim Borgman

